भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

01.04.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 6020 का उत्तर

अधूरी रेल अवसंरचना परियोजनाएं

6020. श्री बृजेन्द्र सिंह ओला:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या अमृत भारत स्टेशन योजना सहित कई रेल अवसंरचना परियोजनाएं निर्धारित समय से पीछे चल रही हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ख) राजस्थान के जयपुर मंडल सहित निर्धारित समय से पीछे चल रही ऐसी परियोजनाओं का मंडल-वार ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं तथा ये परियोजनाएं कब से निर्धारित समय से पीछे चल रही हैं; और

(ग) सरकार द्वारा इन परियोजनाओं को समय पर पूरा किया जाना सुनिश्चित करने और लागत में वृद्धि को रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): पिछले 11 वर्षों के दौरान भारतीय रेल द्वारा रेल नेटवर्क की क्षमता बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास किए गए हैं। भारतीय रेल में नए रेलपथ की कमीशनिंग/बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	7,599 कि.मी.	4.2 कि.मी. प्रतिदिन
2014-25	34,428 कि.मी.	8.6 कि.मी. प्रतिदिन (2 गुना से अधिक)

स्वीकृत परियोजनाएं:

दिनांक 01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में लगभग 6.75 लाख करोड़ रुपए की लागत पर 35,966 कि.मी. कुल लंबाई की 431 रेल अवसंरचना परियोजनाओं (154 नई लाइन, 33 आमान परिवर्तन और 244 दोहरीकरण) को स्वीकृति दी गई है। सार निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई नई लाइन/आमान परिवर्तन/दोहरीकरण (कि.मी.)	मार्च, 25 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी.)	मार्च 2025 तक कुल व्यय (करोड़ में)
नई लाइन	154	16,142	3,036	1,45,318
आमान परिवर्तन	33	4,180	2,997	22,753
दोहरीकरण/बहुपथन	244	15,644	6,736	1,22,858
कुल	431	35,966	12,769	2,90,929

सभी रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय-वार/वर्ष-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया है।

हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाएं निम्नानुसार हैं:-

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लंबाई (किमी में)
1.	उधमपुर - श्रीनगर - बारामूला नई लाइन	272
2.	भैरबी - सैरंग नई लाइन	51
3.	देवबंद - रुड़की नई लाइन	27
4.	चूरू - रतनगढ़ दोहरीकरण	43
5.	टोरी-शिवपुर तीसरी लाइन	44

6.	**अररिया - गलगलिया नई लाइन**	**110**
7.	**हिम्मतनगर - खेड़ब्रह्मा आमान परिवर्तन**	**55**
8.	**बहराइच - नानपारा - नेपालगंज आमान परिवर्तन**	**56**
9.	**डोमिनगढ़-गोरखपुर-कुसुमी तीसरी लाइन और गोरखपुर-नकहा दोहरीकरण**	**21**
10.	**विजापुर - अंबालियासन आमान परिवर्तन**	**43**
11.	**पुणे- मिराज-लोंडा दोहरीकरण**	**467**
12.	**मनमाड - जलगाँव तीसरी लाइन**	**160**
13.	**फेफना - इंदारा - मऊ - शाहगंज दोहरीकरण**	**150**
14.	**अद्रज - मोती - विजापुर आमान परिवर्तन**	**40**
15.	**कटनी - बीना तीसरी लाइन**	**279**
16.	**गांधीधाम - आदिपुर चौहरीकरण**	**21**
17.	**काठूवास - नारनौल दोहरीकरण**	**24**
18.	**पेनुकोंडा - धर्मावरम दोहरीकरण**	**42**

स्वीकृत की गई कुछ प्रमुख परियोजनाएं निम्नानुसार हैं:

क्र.सं.	**परियोजना का नाम**	**लागत (करोड़ रु. में)**
1.	**चोपन-चुनार दोहरीकरण (102 कि.मी.)**	**1,553**
2.	**गुंटूर - बीबीनगर दोहरीकरण (239 कि.मी.)**	**3,238**
3.	**मुदखेड़ - मेडचल और महबूबनगर - धोने दोहरीकरण (418 कि.मी.)**	**5,655**
4.	**समखियाली - गांधीधाम चौहरीकरण (53 कि.मी.)**	**1,571**
5.	**मेड़ता सिटी - रास और मेड़ता रोड नई लाइन पर बाइपास (56 कि.मी.)**	**1,038**
6.	**लामडिंग - फरकाटिंग दोहरीकरण (140 कि.मी.)**	**2,334**

7.	अजमेर- चंदेरिया दोहरीकरण (178 कि.मी.)	1,813
8.	मोटुमारी - विष्णुपुरम आरओआर दोहरीकरण के साथ (100 कि.मी.)	1,746
9.	गंगा नदी पर नए पुल के साथ बिक्रमशिला - कटरिया नई लाइन (26 किलोमीटर)	2,549
10.	गुनुपुर - थेरुबली नई लाइन (74 कि.मी.)	1,326
11.	मलकानगिरी - पांडुरंगपुरम नई लाइन (174 कि.मी.)	4,109
12.	बादामपहाड़ - केंदुझारगढ़ नई लाइन (82 कि.मी.)	2,106
13.	जूनागढ़ - नबरंगपुर नई लाइन (116 कि.मी.)	3,274
14.	बुरामारा - चाकुलिया नई लाइन (60 कि.मी.)	1,639
15.	जलना - जलगांन नई लाइन (174 कि.मी.)	7,105
16.	बांगरीपोसी - गोरुमाहिसानी नई लाइन (86 कि.मी.)	2,549
17.	चांडिल - अनारा - दामोदर तीसरी लाइन (121 कि.मी.)	2,170
18.	बरगढ़ रोड - नवापारा रोड नई लाइन (138 कि.मी.)	2,926
19.	सरडेगा - भालूमुड़ा नई दोहरी लाइन (37 कि.मी.)	1,360
20.	गंगा नदी पर रेल सह सड़क पुल के साथ वाराणसी - पं. दीन दयाल उपाध्याय मल्टीट्रैकिंग (15 कि.मी.)	2,642
21.	जलगाँव - मनमाड चौथी लाइन (160 कि.मी.)	2,773
22.	भुसावल - खंडवा तीसरी और चौथी लाइन (131 कि.मी.)	3,514
23.	संबलपुर - जरापाड़ा तीसरी और चौथी लाइन (127 कि.मी.)	3,916
24.	झारसुगुड़ा - सासन तीसरी और चौथी लाइन (35 कि.मी.)	1,181
25.	गोंदिया - बल्लारशाह दोहरीकरण (240 कि.मी.)	4,819
26.	खरसिया-नया रायपुर-परमालकसा पांचवीं और छठी लाइन (278 कि.मी.)	8,741
27.	वर्धा - बल्हारशाह चौहरीकरण (135 कि.मी.)	2,381

28.	बल्लारी - चिकजाजुर दोहरीकरण (185 कि.मी.)	3,342
29.	कोडरमा - बरकाकाना दोहरीकरण (133 कि.मी.)	3,063
30.	इटारसी - नागपुर चौथी लाइन (297 कि.मी.)	5,451
31.	डांगोआपोसी - जारोली तीसरी और चौथी लाइन (43 कि.मी.)	1,752
32.	सिकंदराबाद - वाडी तीसरी और चौथी लाइन (173 कि.मी.)	5,012
33.	फरकाटिंग - न्यू तिनसुकिया दोहरीकरण (194 कि.मी.)	3,634
34.	बख्तियारपुर - राजगीर - तिलैया दोहरीकरण (104 कि.मी.)	2,192
35.	गोंदिया - डोंगरगढ़ चौथी लाइन (84 किलोमीटर)	2,223
36.	वर्धा - भुसावल तीसरी और चौथी लाइन (314 कि.मी.)	9,197
37.	होसपेटे - बेल्लारी चौहरीकरण (65 कि.मी.)	2,372
38.	कसारा - मनमाड तीसरी और चौथी लाइन (131 कि.मी.)	10,154
39.	पुनारख - किऊल तीसरी और चौथी लाइन (50 कि.मी.)	2,668
40.	गम्हरिया - चांडिल तीसरी और चौथी लाइन (55 कि.मी.)	1,168
41.	सैंथिया - पाखुर चौथी लाइन (81 कि.मी.)	1,569
42.	संतरागाछी - खड़गपुर चौथी लाइन (111 कि.मी.)	2,905
43.	नेरगुंडी - बारंग और खोरधा रोड - विजियानगरम तीसरी लाइन (385 कि.मी.)	5,618
44.	सोन नगर - अण्डाल तीसरी और चौथी लाइन (375 कि.मी.)	13,606
45.	गोरखपुर कैंट - वाल्मीकि नगर दोहरीकरण (96 कि.मी.)	1,270
46.	जयपुर - सवाई माधोपुर दोहरीकरण (131 कि.मी.)	1,269
47.	लूनी - समदड़ी - भीलड़ी दोहरीकरण (272 कि.मी.)	3,531
48.	नरकटियागंज - रक्सौल - सीतामढ़ी - दरभंगा और सीतामढ़ी - मुजफ्फरपुर दोहरीकरण (256 कि.मी.)	4,553
49.	प्रयागराज (इरादतगंज) - मानिकपुर तीसरी लाइन (84 कि.मी.)	1,640

50.	तिरुपति - पकाला - काटपाडी दोहरीकरण (104 कि.मी.)	1,332
51.	रतलाम - नागदा तीसरी और चौथी लाइन (41 कि.मी.)	1,018
52.	अलुआबारी रोड - न्यू जलपाईगुड़ी तीसरी और चौथी लाइन (57 कि.मी.)	1,786
53.	औरंगाबाद (छत्रपति संभाजीनगर) - परभणी (177 कि.मी.)	2,179
54.	भागलपुर - दुमका - रामपुरहाट दोहरीकरण (177 कि.मी.)	3,169
55.	इटारसी - बीना चौथी लाइन (237 कि.मी.)	4,329
56.	वडोदरा - रतलाम तीसरी और चौथी लाइन (259 कि.मी.)	8,885
57.	देवभूमि द्वारका (ओखा) - कनालुस दोहरीकरण (141 कि.मी.)	1,457
58.	बदलापुर - कर्जत तीसरी और चौथी लाइन (32 कि.मी.)	1,324
59.	दिल्ली - अंबाला कैंट तीसरी और चौथी लाइन (194 कि.मी.)	5,983
60.	गोंदिया-जबलपुर दोहरीकरण (231 कि.मी.)	5,236
61.	मनमाड-इंदौर नई लाइन (360 कि.मी.)	18,529
62.	एरुपालेम - अमरावती - नम्बूर नई लाइन (57 कि.मी.)	2,245
63.	वधावन पोर्ट और न्यू पालघर स्टेशन नई दोहरी लाइन (22 कि.मी.)	1,507
64.	देशलपार - हाजीपीर - लूना और वायोर - लखपत नई लाइन (145 कि.मी.)	2,526

<u>राजस्थान</u>

रेल बजट:

हाल के वर्षों में बजट आबंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। राजस्थान राज्य में पूर्णतः/अंशतः आने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	682 करोड़ रु. प्रति वर्ष
2025-26	9,960 करोड़ रु. (लगभग 15 गुना)

रेलपथ निर्माणः

वर्ष 2009-14 और 2014-25 के दौरान राजस्थान राज्य में पूर्णत:/अंशत: आने वाले नए रेलपथो के निर्माण का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	कमीशन किए गए गए रेलपथ	नए रेलपथ की औसत कमीशनिंग
2009-14	798 कि.मी.	159.60 कि.मी. प्रति वर्ष
2014-25	3,815 कि.मी.	346.82 कि.मी. प्रति वर्ष (2 गुना से अधिक)

स्वीकृत परियोजनाएं:

दिनांक 01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, राजस्थान में पूर्णतः/अंशतः आने वाली 43,918 करोड़ रुपए की लागत से 3,409 कि.मी. कुल लंबाई की 28 परियोजनाएँ (13 नई लाइन, 05 आमान परिवर्तन और 10 दोहरीकरण) को स्वीकृत किया गया है। सार निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	13	981	196	5769
आमान परिवर्तन	5	1252	788	6829
दोहरीकरण/बहुपथन	10	1176	254	6357
कुल	28	3,409	1,238	18,954

सभी रेल परियोजनाओं का क्षेत्र-वार/वर्ष-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है।

हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं:

राजस्थान राज्य में पूर्णतः/अंशत: आने वाली हाल ही में पूरी की गईं कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना का नाम	नवीनतम लागत (करोड़ रु. में)
1	बांगड ग्राम-रास नई लाइन (28 किलोमीटर)	175
2	थईयात हमीरा-सोनू नई लाइन (58 किलोमीटर)	350
3	सूरतपूड़ा-श्रीगंगानगर आमान परिवर्तन (241 किलोमीटर)	896
4	सादुलपुर-बीकानेर एवं रतनगढ़-डेगाना आमान परिवर्तन (438 किलोमीटर)	886
5	जयपुर-चूरू एवं सीकर-लोहारू आमान परिवर्तन (320 किलोमीटर)	1105
6	भगत की कोठी-लूनी दोहरीकरण (28 किलोमीटर)	128
7	रानी-केशव गंज दोहरीकरण (59 किलोमीटर)	290
8	गुड़िया-मारवाड़ एवं करजोदा-पालनपुर दोहरीकरण (49 किलोमीटर)	251
9	रानी-मारवाड़ दोहरीकरण (52 किलोमीटर)	346
10	आबू रोड-स्वरूप गंज दोहरीकरण (26 किलोमीटर)	195
11	आबू रोड-सरोत्रा रोड दोहरीकरण (24 किलोमीटर)	152
12	अलवर-बाँदीकुई दोहरीकरण (60 किलोमीटर)	450
13	अजमेर- बांगडग्राम दोहरीकरण (48 किलोमीटर)	375
14	बांगडग्राम-गुड़िया पैच दोहरीकरण (47 किलोमीटर)	395
15	डेगाना-राई का बाग दोहरीकरण (146 किलोमीटर)	809
16	बीना-कोटा दोहरीकरण (283 किलोमीटर)	2476
17	नीमच-चित्तौड़गढ़ दोहरीकरण (56 किलोमीटर)	560
18	दौसा-गंगापुर सिटी दोहरीकरण (93 किलोमीटर)	950
19	फुलेरा-डेगाना दोहरीकरण (108 किलोमीटर)	702
20	चूरू-रतनगढ़ दोहरीकरण (43 किलोमीटर)	423

चालू परियोजनाएं:

राजस्थान राज्य में पूर्णतः/अंशत: आने वाली शुरू की गई कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रु. में)
1	नीमच-बड़ी सादड़ी नई लाइन (48 कि.मी.)	495
2	तरंगा हिल-आबू रोड नई लाइन (116 किलोमीटर)	2798
3	रामगंजमंडी-भोपाल नई लाइन (277 किलोमीटर)	5073
4	रींगस-खाटू श्याम जी नई लाइन (17 किलोमीटर)	254
5	मेड़ता सिटी-रास नई लाइन एवं मेड़ता रोड स्टेशन पर बाई पास (56 किलोमीटर)	947
6	कोटा तक विस्तार सहित ग्वालियर-श्योपुर कलां आमान परिवर्तन (284 किलोमीटर)	2913
7	गंगापुर सिटी तक विस्तार सहित धौलपुर-सिरमथरा आमान परिवर्तन (145 किलोमीटर)	747
8	मावली-देवगढ़-मदारिया आमान परिवर्तन (83 कि.मी.)	969
9	मथुरा-झांसी तीसरी लाइन (274 किलोमीटर)	5924
10	आगरा फोर्ट-बांदीकुई दोहरीकरण (150 किलोमीटर)	988
11	सवाई माधोपुर-जयपुर दोहरीकरण (131 किलोमीटर)	1204
12	चूरू-सादुलपुर और लूनी-भीलड़ी दोहरीकरण (330 किलोमीटर)	3554
13	अजमेर-चन्देरिया दोहरीकरण (178 कि.मी.)	1635
14	सवाई माधोपुर में बाई पास लाइन (14 किलोमीटर)	304
15	रेवाडी-काठूवास दोहरीकरण (28 किलोमीटर)	352
16	काठूवास-नरनौल दोहरीकरण (24 किलोमीटर)	313
17	मारवाड़ में बाई पास लाइन (4 किलोमीटर)	71
18	चूरू में बाईपास लाइन (5 किलोमीटर)	63
19	समदड़ी में बाईपास लाइन (1 किलोमीटर)	26
20	रामदेवरा-पोखरण नई लाइन (13 किलोमीटर)	189
21	लालगढ़-बीकानेर पूर्व केबिन का दोहरीकरण (11 किलोमीटर)	279
22	रींगस-सीकर दोहरीकरण (50 कि.मी.)	470
23	उमरा-देबारी दोहरीकरण (25 कि.मी.)	492

इसके अलावा, राजस्थान के जयपुर मंडल में संपर्कता में सुधार के लिए निम्नलिखित कार्य पूरे किए गए हैं या शुरू किए गए हैं:

क्र.सं.	परियोजना	स्थिति
1.	जयपुर-चूरू एवं सीकर-लोहारू आमान परिवर्तन (320 किलोमीटर)	कमीशन किया गया।
2.	अलवर-बाँदीकुई दोहरीकरण (60 किलोमीटर)	कमीशन किया गया।
3.	काठूवास-नरनौल दोहरीकरण (24 किलोमीटर)	कमीशन किया गया।
4.	रेवाडी-काठूवास दोहरीकरण (28 किलोमीटर)	क. कुण्ड-काठूवास (5 किमी) कमीशन किया गया। ख. रेवाड़ी-कोरी-पाली-कुण्ड-कोरी (23 किमी): स्थिति इस प्रकार है: • भूमि अधिग्रहण पूरा हो गया है • सभी 2 बड़े पुलों पर कार्य शुरू किया गया है • सभी 3 निचले सड़क पुलों का कार्य शुरू किया गया है • सभी 3 स्टेशन भवनों पर कार्य पूरा हो गया है
5.	सवाई माधोपुर - जयपुर दोहरीकरण (131 कि.मी.)	• भूमि अधिग्रहण किया गया। • सभी 07 बड़े पुलों पर कार्य शुरू किया गया है। • 04 स्टेशन भवनों पर कार्य पूरा हो गया है और शेष 8 पर कार्य शुरू किया गया है। • 1 निचले सड़क पुल का कार्य पूरा हो गया है और शेष 35 पर कार्य शुरू किया गया है।

6.	आगरा फोर्ट-बांदीकुई दोहरीकरण (150 किलोमीटर)	• भूमि अधिग्रहण किया गया। • 05 बड़े पुलों का कार्य कार्य पूरा हो गया है और शेष 11 पर कार्य शुरू किया गया है। • 14 निचले सड़क पुल का कार्य पूरा हो गया है और शेष 25 पर कार्य शुरू किया गया है। • 15 स्टेशन भवन का कार्य पूरा हो गया और शेष 7 पर कार्य शुरू कर दिया गया है।
7.	रींगस-सीकर दोहरीकरण (50 कि.मी.)	हाल ही में कार्य स्वीकृत किया गया है।

रेल विद्युतीकरण:

भारतीय रेल में रेल नेटवर्क का विद्युतीकरण मिशन मोड में शुरू किया गया है। अब तक, बड़ी लाइन नेटवर्क का लगभग 99.4% विद्युतीकृत किया जा चुका है। शेष नेटवर्क में विद्युतीकरण कार्य शुरू हो गया है। वर्ष 2014-25 के दौरान और वर्ष 2014 से पहले किए गए विद्युतीकरण का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	मार्ग कि.मी.
2014 से पहले (लगभग 60 वर्ष)	21,801
2014-25	46,900

भारतीय रेल का समाज के सभी वर्गों को किफायती, अच्छी गुणवत्ता वाली सेवाएं प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित है। यात्रियों के यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से, भारतीय रेल ने आधुनिक सवारी डिब्बों, उन्नत संरक्षा सुविधाओं और यात्री सुविधाओं के साथ स्वदेशी रूप से डिजाइन और विनिर्मित वंदे भारत (शयनयान और चेयर कार), अमृत भारत, नमो भारत रैपिड रेल सेवाओं की शुरुआत की है।

ऊपरी सड़क पुल/निचले सड़क पुल:

भारतीय रेल में समपार के स्थान पर ऊपरी/निचले सड़क पुलों के निर्माण कार्यों को स्वीकृति प्रदान करना एक सतत् और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। ऐसे निर्माण कार्यों को प्राथमिकता दी जाती है और रेलगाड़ी परिचालन में संरक्षा पर इसके प्रभाव, रेलगाड़ी की गतिशीलता और सड़क उपयोगकर्ताओं पर प्रभाव तथा व्यवहार्यता आदि के आधार पर शुरू किया जाता है।

2004-14 की तुलना में 2014-26 (जनवरी, 2026 तक) की अवधि के दौरान भारतीय रेल पर निर्मित ऊपरी/निचले सड़क पुलों की संख्या निम्नानुसार है:

अवधि	निर्मित ऊपरी/निचले सड़क पुल
2004-14	4,148 अदद
2014-26 (जनवरी 2026 तक)	14,024 अदद (राजस्थान राज्य में 1594 अदद सहित)

01.02.2026 की स्थिति के अनुसार, राजस्थान राज्य में 6,115 करोड़ रुपए की लागत पर 607 अदद ऊपरी/निचले सड़क पुलों सहित भारतीय रेल पर 1,14,196 करोड़ रुपए की लागत पर 4,802 अदद ऊपरी सड़क पुल/निचले सड़क पुल स्वीकृत किए गए हैं, जो योजना और निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं।

किसी ऊपरी/निचले सड़क पुल के कार्य को पूरा और कमीशन करना, समपार बंद करने के लिए सहमति देने में राज्य सरकारों का सहयोग, पहुंच मार्ग का संरेखण निर्धारित करने, सामान्य व्यवस्था आरेख के अनुमोदन, भूमि अधिग्रहण, अतिक्रमण हटाने, अतिलंघनकारी जनोपयोगी सेवाओं के स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, परियोजना/कार्य स्थलों के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति, जलवायु संबंधी परिस्थितियों आदि के कारण परियोजना विशिष्ट/कार्य स्थल के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है। ये सभी कारक परियोजनाओं/निर्माण कार्यों के समापन समय को प्रभावित करते हैं।

इसके अलावा, रेलवे ने कार्यों की प्रगति में तेजी लाने के लिए निम्नलिखित उपाय किए हैं:

i. सुचारू निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए सामान्य व्यवस्था आरेख (जीएडी) को अंतिम रूप देने से पहले संबंधित राज्य सरकार/सड़क स्वामित्व प्राधिकरण के साथ संयुक्त सर्वेक्षण किया जाता है।

ii. ऊपरी/निचले सड़क पुलों के निर्माण कार्यों से संबंधित विभिन्न मुद्दों को सुलझाने के लिए रेलवे और राज्य सरकार के पदाधिकारियों के साथ आवधिक बैठकें की जाती हैं।

iii. डिजाइन के अनुमोदन के दौरान विलंब से बचने के लिए रेलवे के हिस्से में स्पैन के विभिन्न संयोजनों, तिर्यकता और सड़क की चौड़ाई हेतु अधिसंरचना आरेखणों का मानकीकरण किया गया है। इसे सार-संग्रह के रूप में जारी किया गया है, जिसे सर्वत्र रेल लाइनों पर ऊपरी सड़क पुल निर्माण के लिए त्वरित योजना बनाने हेतु सीधे अपनाया जा सकता है।

स्टेशन पुनर्विकास:

रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में स्टेशनों में सुधार करने के लिए मास्टर योजना तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल है। इस मास्टर योजना में प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित कार्य शामिल हैं:-

- स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार,
- स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण,
- स्टेशन भवन में सुधार,
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पानी के बूथ में सुधार,
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े पैदल पार पुल/एयर कॉनकोर्स का प्रावधान
- लिफ्ट/स्वचालित सीढ़ियों/रैंप का प्रावधान

- प्लेटफॉर्म की सतह और प्लेटफॉर्म पर कवर में सुधार/प्रावधान
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान,
- पार्किंग क्षेत्र, यातायात के विभिन्न साधनों का एकीकरण,
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं,
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली,
- एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामित स्थान, लैंडस्केपिंग आदि का प्रावधान शामिल हैं।

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध रूप से एवं यथा व्यवहार्य दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों का प्रावधान आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत अब तक 1338 स्टेशनों को विकास के लिए चिह्नित किया गया है। इनमें से जयपुर मंडल में 18 स्टेशनों सहित 85 स्टेशन राजस्थान में स्थित हैं। राजस्थान में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	अमृत स्टेशनों के नाम
राजस्थान	85	आबू रोड, अजमेर, अलवर, अनूपगढ़, असलपुर जोबनेर, बालोतरा, बांदीकुई, बारां, बाड़मेर, बयाना, ब्यावर, भरतपुर, भवानी मंडी, भीलवाड़ा, बिजयनगर, बीकानेर, बूंदी, चंदेरिया, छबड़ा गुगोर, चित्तौड़गढ़ जंक्शन, चूरू, डाकनिया तलाव, दौसा, डीग, देगाना, देशनोक, धौलपुर, डीडवाना, डूंगरपुर, फालना, फतेहनगर, फतेहपुर शेखावटी, गांधीनगर जयपुर, गंगापुर सिटी, गोगामेड़ी, गोटन, गोविंदगढ़, हनुमानगढ़, हिंडौन सिटी, जयपुर जं, जैसलमेर, जालौर, जवाई बांध, झालावाड़ सिटी, झुंझुनू, जोधपुर, कपासन, खैरथल, खेरली, कोटा जं, लालगढ़ जं, माण्डल गढ़, मंडावर महवा रोड, मारवाड़ भीनमाल, मारवाड़ जंक्शन, मावली जंक्शन,

		मेड़ता रोड जं, नागौर, नरैना, नीम का थाना, नोखा, पाली मारवाड़, फलौदी जं, फुलेरा जं, पिंडवाड़ा, रायसिंह नगर, राजगढ़, रामदेवरा, रामगंजमंडी जंक्शन, राणा प्रतापनगर, रानी, रतनगढ़ जं, रेन, रींगस, सादुलपुर, सांगानेर, सवाई माधोपुर, श्री महावीरजी, सीकर, सोजत रोड, सोमेसर, श्रीगंगानगर, सुजानगढ़, सूरतगढ़, उदयपुर सिटी

राजस्थान में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तेज गति से शुरू किए गए हैं। अब तक 15 स्टेशनों का कार्य पूरा किया जा चुका है। राजस्थान में पूरे किए गए स्टेशनों का नाम निम्नानुसार है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
राजस्थान	15	बाड़मेर, बूंदी, दौसा, डीग, देशनोक, फतेहपुर शेखावाटी, गंगापुर सिटी, गोगामेड़ी, गोविंदगढ़, जैसलमेर, खैरथल, मंडल गढ़, मण्डावर महुवा रोड, राजगढ़, सोमेसर

अन्य स्टेशनों पर विकास की गतिविधियां भी तेज गति से शुरू की गई हैं और कुछ स्टेशनों की प्रगति नीचे दी गई है:

- गांधीनगर-जयपुर स्टेशन: दोनों तरफ के स्टेशन भवन के संरचनात्मक कार्यों, डेक स्लैब कास्टिंग, छत पर चादर बिछाने, चादर बिछाने सहित छत के माध्यम से संरचनात्मक कार्य और प्लेटफॉर्म शेल्टर के निर्माण सहित एयर कॉनकोर्स की शुरुआत का कार्य पूरा हो चुका है। प्लेटफॉर्म शेल्टर पर चादर बिछाने संबंधी कार्य, दोनों तरफ स्टेशन भवन और बेसमेट का परिष्करण कार्य, प्लेटफॉर्म सतह और बाहरी विकास संबंधी कार्य शुरू किए गए हैं।
- जयपुर स्टेशन: पीछे की ओर बेसमेंट और दूसरे प्रवेश स्टेशन भवन, पीछे की ओर भूमिगत टैंक, पीछे की ओर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के संरचनात्मक कार्य, एयर कॉनकोर्स के गर्डर लॉन्च करना, आगे और पीछे की ओर ईएसएस, दौसा छोर पर पैदल पार पुल का समस्त कार्य, इमारतों के पुनर्वास का कार्य पूरा हो चुका है। अग्रिम स्टेशन भवन

और बेसमेंट के लिए संरचनात्मक कार्य, सेंट्रल पैदल पार पुल का गर्डर लॉन्चिंग, सीकर छोर पर पैदल पार पुल, रेलपथ के साथ पैदल पार पुल का फैब्रीकेशन और अग्रिम भूमिगत टैंक का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- जलौर स्टेशन: स्टेशन भवन, प्रांगण, शौचालय, प्रवेश/निकास द्वार और चाहरदीवारी का कार्य पूरा किया जा चुका है। परिचलन क्षेत्र और पैदल पार पुल का कार्य शुरू कर दिया गया हैं।
- मारवाड़ भीनमाल स्टेशन: स्टेशन भवन, प्रागंण, प्लेटफॉर्म की सतह और प्टेटफार्म सं. 1 पर प्लेटफॉर्म शेल्टर, शौचालय, प्रवेश/निकास द्वार और चाहरदिवारी का कार्य पूरा हो चुका है। परिसर और पैदल पार पुल के कार्यों को शुरू किया गया है।
- फालना स्टेशन: स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म सतह, प्लेटफॉर्म शेल्टर और परिचलन क्षेत्र का कार्य पूरा हो चुका है। लिफ्ट और 12 मीटर पैदल पार पुल का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- जावाई बांध स्टेशन: मुख्य स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म की सतह और प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर शेल्टर का कार्य पूरा हो गया है। प्लेटफॉर्म संख्या 2 पर सतह निर्माण कार्य, प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर लिफ्ट और 12 मीटर पैदल पार पुल का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- मारवाड़ जंक्शन स्टेशन: मुख्य स्टेशन भवन और परिचलन क्षेत्र का कार्य पूरा हो चुका है। प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म सतह, प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर लिफ्ट और 12 मीटर पैदल पार पुल का कार्य शुरू किया गया है।

भारतीय रेल में परियोजनाओं के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए एक सुस्थापित तंत्र है, जिसमें उनकी समीक्षा, निरीक्षण, समय और लागत में वृद्धि की जांच, कार्यों की गुणवत्ता और लेखापरीक्षा शामिल है। विभिन्न संहिताओं और नियमावलियों में निर्धारित मानकों और विशिष्टताओं का पालन करते हुए कार्य किए जाते हैं। विभिन्न एजेंसियों/अधिकारियों/बहु-विषयक टीमों द्वारा समय-समय पर निर्धारित निर्देशों के अनुसार निरीक्षण/लेखापरीक्षा/जाँच की जाती है

और क्षति सहित सुधार हेतु त्वरित कार्रवाई की जाती है। निष्पादन इकाइयों के सामने आने वाली समस्याओं का तदनुसार समाधान किया जाता है। यह एक सतत और निरंतर चलने वाली प्रकिया है और इसके लिए केंद्रीकृत सार-संग्रह नहीं रखा गया है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल स्वरूप का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग की स्वीकृति, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेलपथ एवं उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के नजदीक किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं।

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण
- वानिकी स्वीकृति
- अतिलंघनकारी जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ
- क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ
- परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति
- परियोजना स्थल विशेष के लिए एक वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के समापन समय को प्रभावित करते हैं।

रेल परियोजनाओं के प्रभावी और त्वरित कार्यान्वयन के लिए सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न उपायों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- **निधियों के आवंटन में पर्याप्त वृद्धि।**
- **फील्ड स्तर पर शक्तियों का प्रत्यायोजन।**
- **विभिन्न स्तरों पर परियोजना की प्रगति की गहन निगरानी।**
- **शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वानिकी और वन्यजीव स्वीकृति के लिए राज्य सरकारों और संबंधित प्राधिकरणों के साथ नियमित अनुवर्ती कार्रवाई और परियोजनाओं से संबंधित अन्य मुद्दों को हल करना शामिल हैं।**

******